विभिन्न क्षेत्रीय नीतियों में पर्यावरण और परिस्थितिकी (Environment and Ecology in Sectoral Policies)

परिचय

पर्यावरण (Environment) और परिस्थितिकी (Ecology) मानव जीवन तथा सतत विकास के आधार हैं। पर्यावरण में वायु, जल, भूमि, वन, जीव-जंतु तथा मानव निर्मित संसाधन शामिल होते हैं, जबकि परिस्थितिकी जीवों और उनके पर्यावरण के बीच पारस्परिक संबंधों का अध्ययन है। विभिन्न क्षेत्रीय नीतियों में पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखना एक प्रमुख उद्देश्य है।

1. पर्यावरण का अर्थ

पर्यावरण वह समस्त प्राकृतिक एवं सामाजिक परिवेश है जो मानव तथा अन्य जीवों को प्रभावित करता है। इसमें प्राकृतिक संसाधन, जलवायु, वनस्पति, जीव-जंतु तथा मानव गतिविधियाँ सम्मिलित हैं।

2. परिस्थितिकी (Ecology) का अर्थ

परिस्थितिकी वह विज्ञान है जो जीवों तथा उनके पर्यावरण के बीच संबंधों का अध्ययन करता है। इसका उद्देश्य प्राकृतिक संतुलन बनाए रखना तथा जैव विविधता का संरक्षण करना है।

विभिन्न क्षेत्रीय नीतियों में पर्यावरण एवं परिस्थितिकी

(1) वन नीति

वनों का संरक्षण एवं संवर्धन।

वनों की कटाई पर नियंत्रण।

वन्यजीव संरक्षण।

सामाजिक वानिकी एवं वृक्षारोपण को बढ़ावा।

(2) जल नीति

जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन।

नदियों एवं जलाशयों का संरक्षण।

भूजल के संतुलित उपयोग को बढ़ावा।

जल प्रदूषण की रोकथाम।

(3) कृषि नीति

जैविक खेती को प्रोत्साहन।

रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का संतुलित उपयोग।

मृदा संरक्षण एवं जल संरक्षण।

प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग।

(4) ऊर्जा नीति

सौर, पवन एवं जैव ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा का विकास।

जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना।

ऊर्जा संरक्षण एवं ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा।

(5) औद्योगिक नीति

प्रदूषण नियंत्रण के लिए कड़े मानक।

अपशिष्ट प्रबंधन एवं पुनर्चक्रण (Recycling)।

स्वच्छ एवं हरित उद्योगों को प्रोत्साहन।

पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) का पालन।

(6) शहरी विकास नीति

हरित क्षेत्र एवं पार्कों का विकास।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन।

स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छता व्यवस्था।

सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देकर वायु प्रदूषण कम करना।

(7) जलवायु परिवर्तन नीति

ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी।

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अनुकूलन की रणनीतियाँ।

कार्बन उत्सर्जन में कमी और हरित विकास को बढ़ावा।

पर्यावरण एवं परिस्थितिकी से संबंधित प्रमुख नीतियाँ

राष्ट्रीय पर्यावरण नीति, 2006

राष्ट्रीय वन नीति, 1988

राष्ट्रीय जल नीति, 2012

राष्ट्रीय जैव विविधता कार्ययोजना

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP)

समाज कार्य में महत्व

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना।

समुदाय की सहभागिता से प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण।

सतत विकास को बढ़ावा देना।

पर्यावरणीय न्याय एवं सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना।

आपदा प्रबंधन एवं जलवायु परिवर्तन के प्रति समुदाय को सक्षम बनाना।

निष्कर्ष

पर्यावरण और परिस्थितिकी का संरक्षण सतत विकास की आधारशिला है। विभिन्न क्षेत्रीय नीतियाँ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, जैव विविधता की रक्षा तथा मानव और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करने पर बल देती हैं। इन नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से वर्तमान और भावी पीढ़ियों के लिए स्वस्थ, सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।